

एआई बनेगा टैक्स अधिवक्ताओं का सबसे बड़ा हथियार

आंख मूंदकर भरोसा पड़ सकता है भारी : सीए प्रवीण शर्मा

जीएसटी और आयकर की प्रैक्टिस में अककी बढ़ती भूमिका पर मंथन

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

जीएसटी और आयकर की प्रैक्टिस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले समय में अधिवक्ताओं के कामकाज को नई दिशा देगा। इससे टैक्स संबंधी डेटा का विश्लेषण, नोटिस का अध्ययन और अपील तैयार करने जैसे कार्य अधिक तेजी से किए जा सकेंगे, लेकिन तकनीक पर आंख मूंदकर भरोसा करना नुकसानदेह भी हो सकता है। यह बात दिल्ली के प्रख्यात चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए प्रवीण कुमार शर्मा ने शुक्रवार को लोहामंडी स्थित महाराजा अग्रसेन सेवा सदन में आयोजित ज्ञान-व्याख्यान में कही। आगरा के कर अधिवक्ताओं के संगठन की ओर से सत्र 2026-27 के प्रथम ज्ञान-व्याख्यान में जीएसटी और आयकर में अक के महत्व, व्यावहारिक चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सभागार में बड़ी संख्या में



अधिवक्ताओं की मौजूदगी ने विषय के प्रति उनकी रुचि को दर्शाया।

मुख्य वक्ता सीए प्रवीण कुमार शर्मा ने बताया कि जीएसटी में रिटर्न के आंकड़ों का मिलान, ई-इनवॉइस का सत्यापन और संदिग्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट की पहचान जैसे कार्यों में डेटा विश्लेषण की तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वहीं, आयकर के क्षेत्र में अक्र, ठ्कर और फॉर्म 26अर सहित विभिन्न वित्तीय जानकारीयों के विश्लेषण से कर विवरणियों और उपलब्ध आंकड़ों के बीच अंतर पहचानने में मदद मिलती है। एआई की सहायता से बड़ी मात्रा में उपलब्ध रिकॉर्ड का कम समय में अध्ययन किया जा सकता है, जिससे

अधिवक्ताओं की कार्यक्षमता बढ़ सकती है। अपील तैयार करने की प्रक्रिया में अक की उपयोगिता पर उन्होंने विशेष जोर दिया। उनके अनुसार, संबंधित दस्तावेजों और न्यायिक निर्णयों का विश्लेषण कर अपील का प्रारूप तैयार करने तथा प्रासंगिक केस-लॉ तलाशने में अक सहायक हो सकता है। इससे अधिवक्ताओं का समय बच सकता है और वे मामले के कानूनी पक्ष पर अधिक ध्यान दे सकते हैं। हालांकि, अक द्वारा सुझाए गए निर्णयों, कानूनी संदर्भों और तथ्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना जरूरी है।

सीए शर्मा ने तकनीक के इस्तेमाल में सावधानी बरतने की भी

नसीहत दी। उन्होंने कहा कि गलत जानकारी देने पर अकगलत निष्कर्ष दे सकता है। क्लाइंट का पैना, आधार, बैंक विवरण या बैलेंस शीट असुरक्षित अक टूल पर अपलोड करने से गोपनीय जानकारी उजागर होने का खतरा रहता है। उन्होंने अधिवक्ताओं को न्यायिक निर्णयों की आधिकारिक स्रोतों से जांच करने, क्लाइंट के डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आवश्यक सहमति लेने की सलाह दी। उनका स्पष्ट संदेश था कि अक एक सहायक साधन है, अधिवक्ता का विकल्प नहीं। अंतिम कानूनी राय और निर्णय की जिम्मेदारी अधिवक्ता की ही रहेगी।

अध्यक्ष राजकिशोर ने कहा कि एआई अब केवल आधुनिक तकनीक नहीं, बल्कि पेशेवर कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। आने वाले वर्षों में इस तकनीक को समझने और जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने वाले अधिवक्ता अपने क्लाइंट को बेहतर सेवाएं दे सकेंगे।

महासचिव अखिलेश भटनागर ने बताया कि व्याख्यान के बाद आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में

अधिवक्ताओं ने अक के व्यावहारिक इस्तेमाल, कानूनी शोध, अपील ड्राफ्टिंग और डेटा सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे। जीएसटी स्टडी सर्किल के चेयरमैन सुभाष अग्रवाल और आयकर स्टडी सर्किल के को-चेयरमैन नवीन गर्ग का आयोजन में विशेष सहयोग रहा। अंत में आयकर स्टडी सर्किल के चेयरमैन अनिल वर्मा ने सभी अतिथियों और उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष अब्दुल अख्तर खान, जीएसटी उपाध्यक्ष पीपी सिंह, आयकर उपाध्यक्ष अनुराग गुप्ता, जीएसटी सचिव संचिता अग्रवाल, अभिनव बंसल, राकेश कुमार सारस्वत, शांतनु बंसल, आरपी दीक्षित, सुनील आनंद, मोनल अग्रवाल, सोमेंद्र जैन, रोहित अग्रवाल, वैभव जैन, मुकेश खंडेलवाल, कृष्ण मुरारी अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, रोहन अग्रवाल, संजीव वशिष्ठ, रजनीकांत वर्मा, अक्षय कुमार कुलश्रेष्ठ, सतीश चंद्र बंसल, राम मोहन सिंह कोटिया, अनुराग भटनागर, अभिषेक आनंद, संजीव यादव, पीयूष खंडेलवाल आदि उपस्थित रहे।



एवं सिंचाड़े के आटे के नमूने संग्रहित किए गए।

6. श्री ऋषभ जैन पुत्र श्री सतीश कुमार जैन, नई की मंडी, आगरा: काजू एवं किशमिश के एक-एक नमूने संग्रहित किए गए।

7. मैसर्स ओम सुमिन्या डेयरी, कमला नगर, आगरा: घी का एक नमूना संग्रहित किया गया।

8. पूजा डेयरी, इरादत नगर, फतेहाबाद: घी एवं पनीर के नमूने संग्रहित किए गए।

2. सीजर की कार्यवाही का विवरण

मैसर्स ओम सुमिन्या डेयरी, कमला नगर, आगरा से संबंधित कार्यवाही के दौरान 59 किलोग्राम घी, जिसकी कुल कीमत 38,350/- है, को सीज किया गया।

3. सुधार संबंधी कार्यवाही पूजा डेयरी, इरादत नगर,

फतेहाबाद के संबंध में सुधार सूचना जारी किए जाने हेतु संस्तुति की गई।

संग्रहित खाद्य नमूनों को नियमानुसार जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके अंतर्गत प्रचलित नियमों एवं विनियमों के अनुसार आवश्यक अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, आगरा द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रवर्तन कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। समस्त खाद्य कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की अपील की जाती है।

नवरात्रि और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन

फतेहाबाद। नवरात्रि और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर शनिवार को थाना फतेहाबाद परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन एसीपी इमरान अहमद की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और निर्धारित नियमों का पालन करने तथा शराब डीजे पर प्रतिबंध की अपील की गई।

एसीपी इमरान अहमद ने कहा कि दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित समय पर प्रशासन की ओर से तय किए गए स्थानों पर ही किया जाए। यमुना घाटी पर सुरक्षा के मद्देनजर बैरिकेडिंग लगाई जाएगी। घाटों पर आवश्यकतानुसार गड्डे खोदने के साथ ही गीताखोरों की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की अग्रिय घटना न हो। उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान शराब का सेवन न करें और डीजे के साथ विसर्जन करने से बचें। यमुना नदी में गहराई और पानी के बहाव को देखते हुए विशेष सावधानी बरते।

मेहंदी उत्सव में महिलाओं ने रचाए हाथ

कर्मयोगी एंक्लेव्स में सखियों ने महाराजा अग्रसेन और महारानी माधवी के स्वरूप को लगाई मेहंदी

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में अग्रमिलन समिति की ओर से कर्मयोगी एंक्लेव में महिला संगीत एवं मेहंदी उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव में महिलाओं ने एक-दूसरे के हाथों पर मेहंदी रचाई और मंगल गीत गाकर महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को याद किया।

अध्यक्ष पवन बंसल ने बताया कि महाराजा अग्रसेन और महारानी माधवी के स्वरूप में सजे सुनील अग्रवाल और आरती अग्रवाल को उनकी सखियों ने मेहंदी लगाई। कार्यक्रम में महिलाओं ने महाराजा अग्रसेन के बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। साथ ही 11 अक्टूबर



को कर्मयोगी क्षेत्र में निकलने वाली महाराजा अग्रसेन जयंती की शोभायात्रा में शामिल होने के लिए एक-दूसरे को आमंत्रित किया।

महामंत्री संजय अग्रवाल ने बताया कि महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 11 अक्टूबर को शोभायात्रा

निकाली जाएगी, जबकि 12 अक्टूबर को कर्मयोगी फाउंटेन पर सांस्कृतिक समारोह एवं सम्मान समारोह का आयोजन होगा, जिसमें क्षेत्र के अग्रवंशी परिवार शामिल होंगे। कार्यक्रम में पार्षद कंचन बंसल, शिल्पी, अंजली, संगीता, कविता, अनीता, ममता, गुंजन, शिवानी, पायल, प्रीति, ज्योति, आशी आदि मौजूद रहें।

ताल वाले बाबा के उर्स का सपा नेता राजेश कुमार शर्मा ने फीता काटकर किया शुभारंभ

-उर्स के मंच से गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द का संदेश, भाईचारे पर दिया जोर

राजेश कुमार शर्मा ने आयोजन समिति को दी शुभकामनाएं, साझा सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का आह्वान

फतेहाबाद। फतेहाबाद में हजरत सैयद यादशाह जलाल रहमतुल्लाह अलैह उर्फ ताल वाले बाबा के उर्स के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ समाजवादी पार्टी के नेता राजेश कुमार शर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की भावना देखने को मिली। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उर्स के आयोजन के माध्यम से क्षेत्र की साझा



सांस्कृतिक परंपराओं और आपसी सद्भाव की भावना को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि फतेहाबाद की पहचान उसकी गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता से है। विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होकर प्रेम और

सद्भाव की परंपरा को मजबूत करते हैं। यही हमारी सांस्कृतिक विरासत है और इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन लोगों को आपस में जोड़ने का कार्य करते हैं। ऐसे अवसरों पर सभी समुदायों के लोगों की सहभागिता समाज में परस्पर

व्यापारियों के आंदोलन की चेतावनी के बाद पिनाहट पैटून पुल की मरम्मत शुरू, पांच दिन में काम पूरा करने के निर्देश

-व्यापारियों के विरोध के बाद जागा लोक निर्माण विभाग, पिनाहट घाट पर पैटून पुल की मरम्मत शुरू

यूपी-एमपी के 250 गांवों को मिलेगी राहत, पुल बंद होने से ग्रामीण लगा रहे 140 किमी का अतिरिक्त चक्कर

○ टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

चंबल नदी के पिनाहट घाट पर पैटून पुल चालू कराने की मांग को लेकर व्यापारियों की बाजार बंद कर आंदोलन और घरना-प्रदर्शन की चेतावनी का असर दिखाई देने लगा है। शुक्रवार को आक्रोशित व्यापारियों के सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने के बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारी हरकत में आ गए। शनिवार को विभाग ने पैटून पुल को सीधा करने और उसकी

मरम्मत का काम शुरू करा दिया। अधिकारियों ने ठेकेदार को पांच दिन के अंदर डेंटिंग, पेंटिंग, वेल्डिंग सहित अन्य मरम्मत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। पिनाहट घाट पर पैटून पुल का संचालन शुरू होने में देरी के कारण उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के चंबल नदी किनारे बसे करीब 250 गांवों के ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुल चालू न होने से ग्रामीणों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए करीब 140 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे लोगों का समय और धन दोनों खर्च हो रहे हैं। व्यापारियों के साथ-साथ क्षेत्रीय ग्रामीण भी लंबे समय से पुल का संचालन शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।



पिनाहट घाट पर प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर से पैटून पुल का संचालन शुरू होने की उम्मीद रहती है। इस बार निर्धारित समय नजदीक

आने के बावजूद पुल तैयार नहीं होने से व्यापारियों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई है। शुक्रवार को आक्रोशित व्यापारियों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और चेतावनी दी कि यदि समय पर पुल का संचालन शुरू नहीं हुआ तो बाजार बंद कर आंदोलन किया जाएगा और घरना-प्रदर्शन किया जाएगा। व्यापारियों के इस रुख के बाद विभागीय अधिकारियों में हलचल तेज हो गई।

व्यापारियों के विरोध के बाद शनिवार को लोक निर्माण विभाग आगरा के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार को मरम्मत कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद पैटून पुल के पट्टों को सीधा करने के साथ डेंटिंग, पेंटिंग और

वेल्डिंग का काम शुरू कर दिया गया।

लोक निर्माण विभाग आगरा के अधिशासी अभियंता राघवेंद्र वर्मा ने बताया कि ठेकेदार को पैटून पुल की डेंटिंग, पेंटिंग, वेल्डिंग और अन्य मरम्मत कार्य पांच दिन के अंदर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद जल्द से जल्द पुल का संचालन शुरू कराया जाएगा।

अब क्षेत्रीय लोगों और व्यापारियों की निगाहें विभाग की ओर टिकी हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि 15 अक्टूबर तक पैटून पुल का संचालन शुरू हो जाएगा, जिससे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच आवागमन सुगम हो सकेगा और करीब 250 गांवों के लोगों को लंबा चक्कर लगाने की मजबूरी से राहत मिलेगी।



अमावस्या पर चंबल घाट पर उमड़ी आस्था, पितरों के तर्पण को जुटी भीड़

पिनाहट। पितृपक्ष के अंतिम दिन पितृ अमावस्या पर शनिवार को चंबल नदी घाट पर तर्पण करने वालों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही श्रद्धालु घाट पर पहुंचकर अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण और दान कर आशीर्वाद लेते नजर आए। जानकारी के अनुसार, शनिवार को अमावस्या के अवसर पर पिनाहट के चंबल नदी घाट पर सुबह करीब 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। चंबल घाट पर पंडित ब्रह्मानंद पाठक ने विधि विधान, मंत्रोच्चार किया लोगों ने नदी में स्नान कर पितरों का तर्पण किया और दाव विसर्जन किया। दोपहर 12 बजे तक घाट पर लोगों का आवागमन लगातार बना रहा। घाट पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्थानीय पुलिस भी तैनात रही। पंडितों ने बताया कि पितृ अमावस्या पर तर्पण करने से पितृ ऋष से मुक्ति मिलती है और पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

थानों पर आयोजित हुई शांति समिति की बैठक, आगामी त्योहारों को लेकर पिनाहट, पिढौरा और बसई अरेला थानों में हुई शांति समिति की बैठक



पिनाहट। आगामी त्योहारों और रामलीला आयोजन को लेकर थाना पिनाहट समेत अन्य थानों पर शांति समिति की बैठक आयोजित हुई है। शनिवार शाम करीब चार बजे थाना पिनाहट परिसर में एसीपी अनिल कुमार के नेतृत्व में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिसमें आगामी त्योहारों और रामलीला आयोजन के दौरान राम बरात , राजगद्दी, नवरात्रि और दशहरा को लेकर चर्चा हुई। बैठक में इस्पेक्टर पिनाहट वी पी गिरि ने सभी से आपसी भाईचारे और सौहार्द से त्योहारों को मनाने की अपील की है। ऐसी ही बैठकें थाना पिढौरा और बसई अरेला में आयोजित हुई हैं। जिनमें एसीपी अनिल कुमार ने सही से कहा कि शरारती तत्वों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। इस दौरान बैठक में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष नवीन पाराशर समेत सभ्रांत नागरिकों में रामलीला अध्यक्ष नवीन पाराशर, श्याम सुंदर शर्मा, आजाद बाबू, राम नरेश परिहार, रामनिवास शर्मा, हर्ष कुमार शर्मा,कोशल तोमर आदि लोग मौजूद रहे



विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लाइव आकर सीधे एत्मादपुर विधानसभा की जनता को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि जलेसर रोड लंबे समय से जर्जर स्थिति में

पड़ा हुआ था, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जनता की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए अब इस मार्ग के सुधार का काम हाथ में ले लिया गया है।

लाइव के दौरान विधायक ने बताया कि मार्ग की मरम्मत के लिए जरूरी निर्माण सामग्री और गिट्टी सड़क पर पहुंच चुकी है। आज ही से गड्डों को भरने और पैचवर्क का काम युद्धस्तर पर शुरू किया जा रहा है, ताकि आने-जाने वाले लोगों को दुरुत प्रभाव से उबड़-खाबड़ रास्तों से निजात मिल सके।मार्ग की मरम्मत के साथ ही विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने एक और बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा

कि यह मरम्मत कार्य तात्कालिक राहत के लिए है, लेकिन इस मार्ग का स्थायी समाधान इसके चौड़ीकरण से होगा। आगरा-जलेसर रोड के चौड़ीकरण (ड्वील्वल्लें) का प्रोजेक्ट भी अंतिम चरणों में है और आगामी कुछ ही महीनों के भीतर इस पर भी जमीनी काम शुरू कर दिया जाएगा। चौड़ीकरण होने से इस मार्ग पर ट्रैफिक की समस्या खत्म होगी और क्षेत्रीय विकास को रफ्तार मिलेगी।

विधायक के इस ऐलान के बाद स्थानीय निवासियों और व्यापारियों में खुशी की लहर है, क्योंकि इस मार्ग के सुधरने से न सिर्फ उनका सफर आसान होगा बल्कि व्यापार में भी सहूलियत होगी।



प्राप्त जानकारी के अनुसार, टडावल्ली निवासी मायाराम ने बताया कि गांव में पागल कुत्ते का आतंक बना हुआ है। कुत्ते ने पुष्पा कुमारी, थान सिंह, देवेंद्र और हीरा समेत करीब एक दर्जन लोगों को काटकर घायल कर दिया। इसके अलावा राधेश्याम की भैंस और पातीराम की बकरी को भी कुत्ते ने काट लिया। घटना के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों को आशंका है कि पागल कुत्ता अन्य लोगों और पशुओं को भी अपना निशाना बना सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर पागल कुत्ते को पकड़वाने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी घटना को होने से रोका जा सके।

आगरा खण्ड स्नातक व शिक्षक निर्वाचन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित, दूरभाष नंबर 0562-2260550 जारी

12 अक्टूबर को सूर सदन में मतदान कार्मिकों की पहली ट्रेनिंग

उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत आगरा खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी और सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। शनिवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सभी संबंधित प्रभारी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें चुनाव से जुड़ी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए।



कंट्रोल रूम स्थापित, 12 अक्टूबर को सूर सदन में होगा कार्मिकों का प्रशिक्षण

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि आमजन और निर्वाचन संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कलेक्ट्रेट स्थित सिविल डिफेंस कार्यालय में एक विशेष कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है,

जिसका हेल्पलाइन/दूरभाष नंबर 0562-2260550 है। इसके अलावा, मतदान कार्मिकों-पीठासीन अधिकारियों (ढड), प्रथम मतदान अधिकारियों (ढ-1) तथा द्वितीय मतदान अधिकारियों (ढ-2) का प्रथम प्रशिक्षण 12 अक्टूबर 2026 को सूर सदन प्रेक्षागृह में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रदान किया जाएगा।

केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओंकी समीक्षा

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों/मतदेय स्थलों पर कानून-व्यवस्था, सुरक्षा मानकों और न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं जैसे पेयजल, विद्युत, शौचालय तथा फर्नीचर की उपलब्धता की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोलिंग पार्टियों के रात्रि प्रवास के लिए मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। साथ ही, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों की सूची बनाकर वहां अतिरिक्त निगरानी रखने को कहा।

वाहनों की व्यवस्था, वीडियोग्राफी और सामग्री वितरण के निर्देश

बैठक में चुनाव व्यव

अनुवीक्षण, वीडियोग्राफी टीमों के गठन, मतपेटिकाओं की सुलभता, पोलिंग किट और लेखन सामग्री के वितरण पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने पोलिंग पार्टियों के आवागमन हेतु पर्याप्त वाहनों की व्यवस्था, रूट चार्ट, काउंटर व्यवस्था, बैरिकेडिंग और मतपत्रों को कोषागार के डबल लॉक में सुरक्षित रखवाने की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने सभी जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को तत्काल ड्यूटी पत्र निर्गत करने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ प्रतिभा सिंह, एडीएम (नगर)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधर चौहान, एडीएम (वित्त/राजस्व) संदीप कुमार वर्मा सहित जिले के सभी उप जिलाधिकारी और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के साथ बैठक

18-19 वर्ष के युवाओं और पंजीकरण से छूटे पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने पर जोर

जेंडर व ईपी रेशियो सुधारने तथा हेल्प डेस्क के माध्यम से विशेष पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।



मतदाता बनने वाले तथा 18झ19 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के नाम प्राथमिकता से जोड़े जाएं। इसके लिए महाविद्यालयों, ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी बस्तियों में बूथ लेवल अधिकारियों (इछड) और बूथ लेवल एजेंटों (इछअ) के समन्वय से विशेष अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, महिला मतदाताओं का पंजीकरण बढ़ाकर जनपद के जेंडर रेशियो और ईपी रेशियो में सुधार लाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में गृहविहीन नागरिकों और श्रमिक वर्ग के चिह्नांकन के साथ-साथ प्रपत्र-6, 7 और 8 के माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। दिव्यांग मतदाताओं के चिह्नांकन का कार्य भी सुचारू रूप से करने को कहा गया ताकि आगामी निर्वाचन में उन्हें आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-10 के छठे दिन उप कमांडर कर्नल पी. के. मिश्रा ने किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

चौधरी रघुनाथ सिंह डिग्री कॉलेज, किरावली, आगरा में आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविरझ10 के छठे दिन उप कमांडर कर्नल पी. के. मिश्रा ने शिविर स्थल का निरीक्षण किया तथा एनसीसी कैडेट्स को संबोधित किया।

अपने संबोधन में कर्नल मिश्रा ने कैडेट्स को समर्पण, एकता एवं अनुशासन का महत्व समझाया। उन्होंने कैडेट्स को शिविर की सभी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा अपने व्यक्तित्व के सर्वोपेय विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर शिविर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आशुतोष मिश्रा तथा सेकंड-इन-कमांड कर्नल दीपक जुगाल भी उपस्थित रहे।

दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कैप्टन दिनेश लाल ने



मेडिकल ट्रायेज, प्राथमिकता निर्धारण एवं घायलों के वर्गीकरण विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में घायलों की स्थिति के अनुसार प्राथमिकता निर्धारित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, ब्रावो कंपनी के कैडेट्स ने फायरिंग का अभ्यास किया।

इस अवसर पर सेकंड ऑफिसर अखिलेश कुमार यादव, सेकंड ऑफिसर दीपक यादव,

पिनाहट की प्राचीन रामलीला में ताड़का वध का मंचन

पिनाहट। कस्बा पिनाहट में आयोजित करीब 300 वर्ष प्राचीन रामलीला में शनिवार को भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी विभिन्न लीलाओं का मंचन किया गया।

लीला मंचन के दौरान महर्षि विश्वामित्र राजा दशरथ के दरबार में पहुंचकर यज्ञ की रक्षा के लिए भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ वन ले जाते हैं। इसके बाद भगवान श्रीराम द्वारा ताड़का वध तथा मारीच और सुबाहु के आतंक से ऋषियों को मुक्ति दिलाने की लीला का मंचन हुआ। मारीच भगवान राम के बाण से दूर जा गिरा जबकि सुबाहु का वध किया गया। इस दौरान रामलीला कमेटी अध्यक्ष नवीन पाराशर सहित कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। अध्यक्ष नवीन पाराशर ने बताया कि रविवार को धनुष यज्ञ की लीला का मंचन किया जाएगा।

लीला मंचन के दौरान महर्षि विश्वामित्र राजा दशरथ के दरबार में पहुंचकर यज्ञ की रक्षा के लिए भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ वन ले जाते हैं। इसके बाद भगवान श्रीराम द्वारा ताड़का वध तथा मारीच और सुबाहु के आतंक से ऋषियों को मुक्ति दिलाने की लीला का मंचन हुआ। मारीच भगवान राम के बाण से दूर जा गिरा जबकि सुबाहु का वध किया गया। इस दौरान रामलीला कमेटी अध्यक्ष नवीन पाराशर सहित कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। अध्यक्ष नवीन पाराशर ने बताया कि रविवार को धनुष यज्ञ की लीला का मंचन किया जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य ही सच्ची पूंजी

विवि में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों को भी विधिक सेवा अधिनियम के तहत निःशुल्क कानूनी सहायता पाने का है अधिकार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय और जिला स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय के निदेशक दिनेश कुमार राठौर, डिप्टी सीएमओ डॉ. पिप्पू जैन, विशाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, चिकित्सक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस दौरान विधिक जागरूकता शिविर लगाकर निःशुल्क सहायता से जुड़े पम्पलेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समाज से श्रान्तियां दूर करने की शपथ दलाई गई।



आशु रानी ने की। पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/न्यायिक अधिकारी पंकज कुमार-क ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण कानूनी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति भी विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 12 के अंतर्गत निःशुल्क विधिक सहायता पाने के पूर्ण पात्र हैं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के प्रमुख प्रावधानों, मरीजों के गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार तथा निःशुल्क अधिवक्ता और परामर्श की सुविधाओं पर विस्तार

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव, मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय के निदेशक दिनेश कुमार राठौर, डिप्टी सीएमओ डॉ. पिप्पू जैन, विशाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, चिकित्सक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस दौरान विधिक जागरूकता शिविर लगाकर निःशुल्क सहायता से जुड़े पम्पलेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समाज से श्रान्तियां दूर करने की शपथ दलाई गई।

अकादमिक गौरव: आंबेडकर विवि के भाषाविज्ञान विभाग के 2 शोधार्थियों का प्रतिष्ठित नेशनल फेलोशिप के लिए चयन

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के के.एम. इंस्टीट्यूट स्थित भाषाविज्ञान विभाग के दो शोधार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा के बल पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभाग के शोधार्थी सूर्यामणि कुमार का चयन प्रतिष्ठित 'उत्तर-क्लर्क' उद्घरेश्वरी श्रे'इवईस' तथा नीरव कुमार का चयन 'क्लरफ' रैड्दर-खीरे उद्घरेश्वरी श्रे'इवईस' के लिए हुआ है। सूर्यामणि कुमार के चयन को शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के अधीन भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा आधिकारिक स्वीकृति दी गई है। वहीं, नीरव कुमार का क्लरफ फेलोशिप हेतु चयन विभाग में शोध के उच्च स्तरीय मापदंडों और गुणवत्ता को दर्शाता है। दोनों शोधार्थियों की इस बड़ी उपलब्धि पर विभाग के शिक्षकों व सहयोगियों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल शोध कार्य को कामना की है।

लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

फतेहाबाद में लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध, ऑनलाइन कार्य पूरी तरह बंद



टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

शनिवार को थाना फतेहाबाद में आयोजित थाना समाधान दिवस में लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर ऑफलाइन कार्य किया विरोध जताया गया।

लेखपाल संघ के पूर्व तहसील अध्यक्ष राधाकिशन ने बताया कि प्रांतीय आह्वान पर शनिवार को थाना फतेहाबाद में थाना दिवस में काली पट्टी बांधकर ऑफलाइन कार्य किया गया है। वहीं ऑनलाइन कार्य को पूरी तरीके से बंद कर दिया गया है। जिससे किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं प्रमाण पत्र वह विरासत दर्ज नहीं हो पा रही है। प्रमाण पत्र जारी न होने से स्कूली छात्र-छात्राओं को भी परेशानियों का सामना

लेखपालों की हड़ताल से किसान और छात्र परेशान, प्रमाण पत्र व विरासत दर्ज करने में आ रही दिक्कत मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान, थाना समाधान दिवस पर लेखपालों ने किया ऑफलाइन क

करना पड़ रहा है वहीं उन्होंने बताया कि जब तक मांगें पूरी नहीं हो जाती तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान सनोज ,दीपक मौर्य ,मोहित, अमित कुमार, विशाल, हरेंद्र यादव , अनमोल पराशर आदित्य ,हरीश भदौरिया आदि मौजूद रहे।

मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर सपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

-मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर सपा कार्यकर्ताओं ने अर्पित किए पुष्प, उनके संघर्षों को किया याद

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन महावीर जी पब्लिक स्कूल पर किया गया। जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में बोलते हुए

फतेहाबाद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित, नेताजी के विचारों पर चलने का लिया संकल्प किसानों, गरीबों और वंचितों के लिए मुलायम सिंह यादव के योगदान को किया याद, समाजवादी विचारधारा आगे बढ़ाने का आह्वान

समाजवादी पार्टी के नेता राजेश शर्मा ने नेताजी के बताए मार्ग पर चलने और समाजवादी



विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने उनके राजनीतिक जीवन और समाज के कमजोर वर्गों के लिए किए गए कार्यों को याद किया। नेताजी को धरतीपुत्र के नाम से बुलाते थे। उनके द्वारा हर वर्ग के लिए काम किया और उनका जुड़ाव हर वर्ग से रहा हैइस दौरान समाजवादी पार्टी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी उप्र के प्रदेश सचिव नीरज चक ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने किसानों,

गरीबों, मजदूरों और वंचित वर्गों के हितों के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया। उनके विचार और समाजवादी सिद्धांत आज भी पार्टी कार्यकर्ताओं को जनसेवा के लिए प्रेरित करते हैं।इस अवसर पर अरशद खान, राशिद खान, विवेक सक्सेना, सूर्या झा,आशीष शर्मा ऐनुद्दीन खान, मुबारक खान, सत्तार अली और वीरेंद्र वर्मा ,जीतू सविता, प्रभात चक सहित अन्य सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यमुना में डूब रहे युवक को बचाया, बिना कपड़े उतारे नदी में लगाई छलांग

यमुना में डूब रहे युवक को बचाने के लिए बबलू वर्मा ने कपड़े पहने ही लगाई छलांग

फतेहाबाद। पितृ विसर्जन के दौरान शनिवार सुबह जोनेश्वर घाट, भोलपुरा स्थित शिव मंदिर के सामने यमुना नदी में स्नान करते समय एक युवक डूबने लगा। युवक को डूबता देख भोलपुरा निवासी बबलू वर्मा पुत्र बिजेंद्र सिंह वर्मा ने अपनी जान की परवाह किए बिना कपड़े उतारे ही यमुना में छलांग लगा दी। काफी मशक्कत के बाद उन्होंने डूब रहे युवक को सुरक्षित बाहर निकाल



लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह पितृ विसर्जन एवं तर्पण के दौरान जोनेश्वर घाट पर श्रद्धालु यमुना में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान फतेहाबाद निवासी ऋषि पुत्र रामखिलाड़ी स्नान करते समय यमुना में डूबने लगा। युवक को संकट में देखकर घाट उन्हीने ऋषि को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।बबलू वर्मा की सूझबूझ और साहस से युवक की जान बच गई। उनके इस सराहनीय कार्य की लोगों ने प्रशंसा की।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड़डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)



सम्पादकीय

दिल्ली की सड़कों पर अराजकता का नया तमाशा और कानून को ढेंगा दिखाने की प्रवृति

राजधानी दिल्ली में हाल के दिनों में राजनीतिक और वैचारिक विरोध के नाम पर जो कुछ देखने को मिला है, उसने एक बार फिर इस कड़वे सच को उजागर कर दिया है कि हमारे देश में प्रदर्शन अब लोकतांत्रिक अधिकार न रहकर सिर्फ कानून को चुनौती देने और अराजकता फैलाने का जरिया बन चुके हैं। चाहे खुद को किसी विशेष नाम से या राजनीतिक मंचों से जोड़ने वाले दल हों, सड़कों पर उतरकर नियमों की धज्जियां उड़ाना, पुलिस के बैरिकेड्स तोड़ना और सरकारी व्यवस्था को बाधित करना आज के राजनीतिक कल्चर का मुख्य हिस्सा बन गया है। जब प्रदर्शनकारी जनहित के मुद्दों पर बहस करने के बजाय पुलिस बल से भिड़ने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने और कानून को अपने हाथ में लेने को अपनी बहादुरी समझने लगें, तो यह समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र की पटरी पर अनुशासन और मयादा की गाड़ी पूरी तरह उतर चुकी है। घटना का यह परिदृश्य इस बात की गवाही देता है कि किस प्रकार प्रशासन द्वारा शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए जाने वाले कानूनी प्रयासों को सता या व्यवस्था के खिलाफ दमन बताकर सनसनी फैलाई जाती है। जब पुलिसकर्मी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, तब इन तथाकथित प्रदर्शनकारियों द्वारा उन पर दबाव बनाने और हर हद पार करने का नाटक किया जाता है। लोकतंत्र में विरोध जताना हर नागरिक का अधिकार है, किंतु उस अधिकार की एक लक्ष्मण रेखा होती है जो संविधान और कानून के दायरे से बंधी होती है। जब यह रेखा लांघकर हुड़दंग और अराजकता को बढ़ावा दिया जाने लगे, तो सरकार और प्रशासन का यह दायित्व बन जाता है कि वे कानून तोड़ने वालों से पूरी सख्ती से निपटें, ताकि आम जनता की सुरक्षा और शांति खतरे में न पड़े। तथापि, इस प्रकार की प्रवृत्ति यह भी दिखाती है कि कुछ राजनीतिक और वैचारिक तत्व अपनी जमीन खिसकते देख केवल तमाशा खड़ा करने की राजनीति पर उतर आए हैं, जिन्हें जनता के वास्तविक विकास या समस्याओं से कोई सरोकार नहीं होता। आवश्यकता इस बात की है कि इस प्रकार के बेलगाम और मयादाहीन प्रदर्शनों पर प्रशासन पूरी कठोरता से नकेल कसे तथा कानून हाथ में लेने वालों को यह कड़ा सबक मिले कि देश का संविधान और व्यवस्था किसी भी समूह या दल की व्यक्तिगत जागीर नहीं है। जब तक अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक सड़कों पर इस तरह का तमाशा लोकतंत्र की गरिमा को यूं ही तार-तार करता रहेगा।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

ये था भगवान श्रीकृष्ण द्वारा सुदामा के तंदुल खाने का रहस्य

श्रीमद्भागवत महापुराण और भक्तमाल के कथा-प्रवाह में भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र बालमित्र सुदामा की मित्रता का वह पावन प्रसंग तो जगप्रसिद्ध है जब दरिद्रता से रस्त सुदामा अपने मित्र से मिलने द्वारका पहुँचे थे और कृष्ण ने अपने सिंघासन से उतरकर उनके चरण धोए थे। सुदामा द्वारा लाई गई पोटली से चावल के वे तीन मुट्ठी खाने खाने के बाद भगवान ने जो लीला रची, उसका वर्णन हर किसी के नेत्रों को नम कर देता है। किंतु इस सुप्रसिद्ध घटना के भीतर एक ऐसा अत्यंत सूक्ष्म और दार्शनिक लोक-प्रसंग भी छिपा है जो तब घटा जब सुदामा के जाने के बाद द्वारका की पटरानियों ने कृष्ण से वह रहस्य पूछा था। घटना द्वारका के उस राजमहल के कक्ष की है जहाँ सुदामा के जाने के बाद पटरानियां इस बात पर विस्मित थीं कि भगवान ने एक साधारण और फटेहाल ब्राह्मण द्वारा लाए गए थोड़े से साधारण चावल को इस तरह प्रेम से खाया मानो उससे बढ़कर इस संसार में कोई दूसरा उत्तम प्रसाद ही न हो। प्रसंग के अनुसार, महारानी रुक्मिणी और सत्यभामा ने अत्यंत जिज्ञासा के साथ भगवान श्रीकृष्ण के समीप आकर पूछा— “हे प्रभु, हम प्रतिदिन आपके लिए सौने और चांदी के थालों में छप्पन प्रकार के महाभोग और उत्तम पकवान बनाकर लाती हैं, किंतु आपने कभी उन भोगों को इतने चाव से नहीं खाया, जितना चाव आपने उस दरिद्र ब्राह्मण के लिए हुए उन थोड़े से सूखे चावलों को खाने में दिखाया। इस पोटली में ऐसा कौन सा रहस्य या स्वाद था ?” भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी मंद-मंद और मोहक मुस्कान बिखेरते हुए उन पटरानियों की ओर देखा और अत्यंत गंभीर स्वर में जो उत्तर दिया, वह प्रेम और भक्ति का सबसे बड़ा दर्शन बन गया। श्रीकृष्ण ने कहा— “हे देवि्यों, महलों के उन बड़े-बड़े थालों में भले ही सोने-चांदी और अनमोल पकवान सजे हों, किंतु उनमें अहंकार, कर्तव्य और औपचारिकता का भाव होता है। इसके विपरीत, मेरे मित्र सुदामा जब वह पोटली अपनी काष्ठ में छिपाकर लाए थे, तो उस चावल के एक-एक दाने में उनकी पत्नी की करुणा, उनके बच्चों की भूख और सुदामा के उस निष्काम तथा अदृष्ट प्रेम का पवित्र समर्पण था जो बिना किसी स्वार्थ के केवल अपने बालसखा से मिलने आया था।” श्रीकृष्ण के इस वचन को सुनकर पटरानियों के मन का सारा अहंकार और संशय समाप्त हो गया तथा उन्हें यह समझ आ गया कि ईश्वर को भोग कीमती वस्तुओं का नहीं, बल्कि केवल निर्मल और सच्चे प्रेम के समर्पण का चाहिए होता है। यह पावन प्रसंग हमें यह गहरी सीख देता है कि मनुष्य चाहे कितने भी बड़े और महंगे उपहार भगवान को अर्पित कर ले, किंतु जब तक उस भेंट में प्रेम, भाव और समर्पण की भावना नहीं होती, तब तक ईश्वर उसे स्वीकार नहीं करते, क्योंकि परमात्मा केवल भाव के भूखे होते हैं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!



मेघ

आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में किए गए निवेश से भविष्य में बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। शिव मंदिर में जाकर जलाभिषेक करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज आपकी राशि पर चंद्रमा की अनुकूल स्थिति के कारण व्यापार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। परिवार के साथ किसी सुंदर स्थल पर समय बिताने का अवसर मिलेगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। किसी जरूरतमंद को सफेद वस्त्र या चावल का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी वाणी की प्रभावशीलता से आपके रुके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और लोग आपकी कार्यशैली की सराहना करेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। भगवान शिव को धनतूरा और बेलपत्र अर्पित करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और अधिक प्रखर होगी।

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृषभ कर्क कन्या वृश्चिक मकर और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन देवों के देव महादेव भगवान शिव तथा माता पार्वती की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिवलिंग पर दूध और जल से अभिषेक करने तथा बेलपत्र अर्पित करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और मानसिक शांति की प्राप्ति होती है।

राजेश कुमार

4

पहले केंद्र सरकार कारखानों में बने सामान पर उत्पाद शुल्क और सेवाओं पर सेवा कर लगाती थी। राज्य सरकारें बिक्री कर, प्रवेश कर और चुंगी जैसे कई कर वसूलती थीं। हर राज्य के नियम अलग होने से व्यापारियों को परेशानी होती थी। कई बार पहले चुकाए गए टैक्स का पूरा फायदा भी नहीं मिलता था। इस तरह एक ही सामान पर बार बार टैक्स का बोझ बढ़ता जाता था।

कितना बदला कारोबार का चेहरा? कल्पना कीजिए, जुलाई 2017 से पहले का भारत। आगरा से दिल्ली जा रहा एक ट्रक रास्ते में बार बार रुकता है। कहीं चुंगी, कहीं प्रवेश कर, तो कहीं कागजों की जांच। घंटों की देरी से माल पहुंचता है और खर्च बढ़ जाता है। आखिरकार इस बोझ का कुछ हिस्सा ग्राहक की जेब से निकलता है। दुकानदारों की मुश्किलें भी कम नहीं थीं। उत्तर प्रदेश में अलग टैक्स, दिल्ली में अलग नियम और दूसरे राज्यों में अलग हिसाब किताब। कागजात का ढेर, सरकारी दफ्तरों के चक्कर और एक टैक्स के ऊपर दूसरा टैक्स। कारोबार करना आसान नहीं था। टैक्स की दरों में अंतर का फायदा उठाकर कुछ लोग कर चोरी भी करते थे।

फिर आया जीएसटी का दौर।

1 जुलाई 2017 को नरेंद्र मोदी सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी लागू किया। इसका नारा था, ‘एक देश, एक कर’। मकसद साफ था। देश में टैक्स की बिखरी व्यवस्था को एक करना, कारोबार आसान बनाना और कर चोरी के रास्ते बंद करना। पहले केंद्र सरकार कारखानों में बने सामान पर उत्पाद शुल्क और सेवाओं पर सेवा कर लगाती थी। राज्य सरकारें बिक्री कर, प्रवेश कर और चुंगी जैसे कई कर वसूलती थीं। हर राज्य के नियम अलग होने से व्यापारियों को परेशानी होती थी। कई बार पहले चुकाए गए टैक्स का पूरा फायदा भी नहीं मिलता था। इस तरह एक ही सामान पर बार बार टैक्स का बोझ बढ़ता जाता था। जीएसटी ने इस व्यवस्था के बड़े हिस्से को एक ढांचे में ला दिया। अब राज्य के भीतर कारोबार पर केंद्र और राज्य का

राष्ट्र पुनर्निर्माण का सपना लेकर छात्र आंदोलनों से निकले अनेक कार्यकर्ता आज सत्ता, प्रशासन और सार्वजनिक जीवन के महत्वपूर्ण पदों पर हैं। यह निस्संदेह किसी भी संगठन की वैचारिक यात्रा की उपलब्धि है। किंतु उपलब्धि के साथ उत्तरदायित्व भी आता है। इसलिए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि सत्ता के सोपान चढ़ते हुए कहीं राष्ट्र निर्माण का संकल्प व्यक्तिगत निर्माण की प्राथमिकता में तो नहीं बदल रहा?

नानाजी देशमुख का ग्रामोदय, दत्तोपंत ठेंगडी का श्रम और स्वावलंबन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय तथा अटल बिहारी वाजपेयी की लोकतांत्रिक दृष्टि—इन सभी चिंतन परंपराओं का मूल केंद्र सत्ता नहीं, समाज और सामान्य नागरिक था। इसलिए आज इन विचारों की प्रासंगिकता का परीक्षण नारों और दावों से नहीं, बल्कि नागरिक के जीवन में आए वास्तविक परिवर्तन से होना चाहिए।

भारत तेजी से बदल रहा है। आधारभूत ढाँचे का विस्तार, डिजिटल तकनीक, उद्योग, निवेश और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका निश्चित रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हैं। लेकिन किसी भी राष्ट्र की प्रगति का अंतिम मूल्यांकन केवल आर्थिक



आँकड़ों से नहीं हो सकता। विकास की असली कसौटी यह है कि सामान्य नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा कितनी सहजता से उपलब्ध है।

आज भी बड़ी संख्या में परिवार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की लागत से जूझते हैं। गंभीर बीमारी का इलाज कई परिवारों के लिए आर्थिक संकट बन जाता है। युवाओं के सामने रोजगार और रोजगार की गुणवत्ता का प्रश्न है। किसान, श्रमिक, बुजुर्ग और असंगठित क्षेत्र से जुड़े करोड़ों लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा अभी भी एक महत्वपूर्ण चिंता है।

ऐसे में विकास की उपलब्धियों के साथ उसकी प्राथमिकताओं पर विमर्श आवश्यक है। क्या हम भौतिक अवसरचना के निर्माण की गति के साथ मानवीय अवसरचना को भी उतनी ही गति दे रहे हैं?

यह प्रश्न किसी सरकार या संगठन के विरोध का प्रश्न नहीं है। यह शासन की प्राथमिकताओं और लोकतंत्र की गुणवत्ता से जुड़ा प्रश्न है।

जब नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तो उसे केवल राजनीतिक असहमति मानकर खारिज करना लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र में नागरिक

दिनांक 12 अक्टूबर 2026 सोमवार

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपको सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी अंशेय से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance)

राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।

जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दायित्व जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन कराएं जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। शिव चालीसा का पाठ करें जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे।

धनु

आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ वित्तीय कार्य संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे मानसिक शांति मिलेगी। जरूरतमंदों को सफेद वस्तु का दान करें जिससे आपके सभी अटके हुए मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति

मिलने के योग बन रहे हैं। सोमवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। लंबी दूरी की किसी लाभदायक यात्रा के योग बन रहे हैं। भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

मीन

आज आर्थिक मामलों में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है और किसी भी अनजान योजना में निवेश करने से बचें। पारिवारिक माहौल शांत रहेगा और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। मंदिर में जाकर गरीबों को अन्न वितरित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूर्य

सोमवार के दिन घर के उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहाँ जल से भरा कलश स्थापित करने तथा सफेद फूलों की सजावट करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान शिव की कृपा से सुख और समृद्धि का अखंड वास होता है।

बार समझ नहीं आता था कि कौन सा नियम कब लागू होगा। राज्यों को भी राजस्व में कमी की चिंता थी। केंद्र की मुआवजा व्यवस्था ने शुरूआती वर्षों में राज्यों को राहत दी।

समय के साथ नियमों और ऑनलाइन व्यवस्था में बदलाव किए गए। छोटे कारोबारियों के लिए कुछ आसान योजनाएं बनाई गईं। रिफंड की प्रक्रिया तेज करने और कागजी काम घटाने के प्रयास भी हुए। हालांकि, इन सुविधाओं का लाभ पात्रता और लागू नियमों पर निर्भर करता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने अब भी यही चुनौती है कि व्यवस्था को सरल बनाया जाए। छोटे दुकानदारों, कारीगरों, महिला उद्यमियों और ग्रामीण कारोबारियों को अनावश्यक परेशानी से बचाना जरूरी है। ट्रकों को रास्ते में बेवजह रोकने के बजाय जांच ठोस सूचना और नियमों के आधार पर होनी चाहिए।

जीएसटी की कहानी सिर्फ एक नए टैक्स की कहानी नहीं है। इसने देश के अलग अलग बाजारों को जोड़ने और कारोबार के लिए साझा व्यवस्था बनाने में मदद की है। टैक्स संग्रह बढ़ा है और लेनदेन पर निगरानी मजबूत हुई है। लेकिन बढ़ते राजस्व का पूरा श्रेय केवल जीएसटी को देना भी सही नहीं होगा।

यही सबसे बड़ा सवाल है। व्यापारी का समय और पैसा बचना चाहिए। ट्रक कम रुकें, कारोबारियों को कम कागजी झंझट झेलना पड़े और कर चोरी पर लगाम लगे। साथ ही, टैक्स का फायदा आम ग्राहक तक भी पहुंचना चाहिए। मित्तल साहब की बात गौर करने लायक है। वे कहते हैं, “सुधार तभी सफल माना जाएगा, जब ट्रक समय पर पहुंचे, व्यापारी बेवजह न उलझे और ग्राहक को उचित कीमत पर सामान मिले।”

की आवाज है। प्रत्येक आंदोलन की मांग सही हो, यह आवश्यक नहीं; लेकिन प्रत्येक असंतोष को राजनीति कहकर नकार देना भी समस्या का समाधान नहीं। सत्ता की परिपक्वता इस बात से तय होती है कि वह आलोचना और असहमति में भी सुधार की संभावना कितनी खोजती है।

सार्वजनिक जीवन में सक्रिय उन कार्यकर्ताओं के लिए यह आत्ममंथन और भी आवश्यक है, जिन्होंने कभी राष्ट्र सेवा को अपना ध्येय बनाया था। संगठन और सत्ता दोनों साधन हैं; लक्ष्य समाज का कल्याण होना चाहिए। यदि पद बढ़ता जाए, लेकिन समाज के प्रति संवेदन घटती जाए, तो राष्ट्र निर्माण का दावा खोखला हो जाता है।

व्यक्तिगत उन्नति अपने आप में अनुचित नहीं। लेकिन सार्वजनिक पद निजी महत्वाकांक्षा की सीढ़ी नहीं, जनसेवा की जिम्मेदारी है। इसी अंतर को समझना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नैतिक शक्ति है।

हृदयकिसत भारतह्म का सपना तभी सार्थक होगा, जब विकास की चमक नागरिक के जीवन में भी दिखाई दे। एक्सप्रेसवे और स्मार्ट शहर आवश्यक हैं, लेकिन उतने ही आवश्यक मजबूत सरकारी

सांझी महोत्सव: कला-संस्कृति और भक्ति के रंगों से सराबोर हुआ रसखान समाधि परिसर

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष, सीईओ, विप्रा सचिव ने किया अवलोकन

- अंतिम दिन सूफी गायन ने बांधा समां, कलाकारों को दिए प्रशस्ति पत्र

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और जीएलए विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रसखान-ताज बीबी समाधि परिसर में आयोजित पांच दिवसीय सांझी महोत्सव-2026 का शनिवार को समापन हो गया। अंतिम दिन सूफी गायक मधुकर की प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। उन्होंने रसखान, ताज बीबी और सांझी परंपरा से जुड़े पदों का गायन कर भक्ति और सूफियाना भावों का संगम प्रस्तुत किया।



उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिसद और जीएलए विवि के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सांझी महोत्सव के पांच दिनों में ब्रज की पारंपरिक सांझी कला, श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित

लीलाओं के चित्र भी आकर्षण का केंद्र रहे।

नई पीढ़ी को पारंपरिक कला से जोड़ने के लिए दो दिवसीय दक्ष एजुकेशन इंस्टीट्यूट के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें सांझी बनाने की तकनीक सीखी। संगोष्ठी में कलाकारों और शिक्षाविदों ने सांझी कला के संरक्षण और इसके प्रचार-प्रसार पर विचार साझा किए।

महोत्सव के दौरान मुक्ताकाशी मंच पर ब्रज लोक कलाकारों ने भजन, लोकगीत और जिकड़ी भजन प्रस्तुत किए। कथक कलाकार चेतन शर्मा की प्रस्तुति तथा ब्रजभाषा कवि सम्मेलन ने आयोजन को सांस्कृतिक रंग प्रदान किए।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, श्रीमती मंजिरी मिश्र, सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने सांझी कला को देखा। कलाकारों से बातचीत की और उनकी प्रतिभा की प्रसंशा करते हुए कलाकारों को सम्मानित किया।

मथुरा-चूंदावन विकास प्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार, तकनीकी विशेषज्ञ आरपी सिंह ने भी महोत्सव का भ्रमण कर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। परिषद के अपर कार्यपालक अधिकारी राजीव पांडेय ने प्रतिभागी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। व्यवस्थाएं सीपी सिंह सिकरवार और अनुपम यादव ने संभाली।

शारदीय नवरात्रि आज से होगी शुरू

कैसे करें पूजा की तैयार, घर घर विराजेंगी माता रानी

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

योगेश्वर श्री कृष्ण की नगरी में अब घर-घर मा के दवार सजेंगे। इसी अनुसार बाजारों में देवी मां की पूजन की सामग्री की दुकानें सज गईं। मंदिरों और घरों में पूजा की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं।

पूजा पाठ के विधान के संबंध में पं. अजय कुमार तेलंग ने बताया कि नवरात्रि के प्रथम दिन कलश स्थापना, जौ बोने और माँ शैलपुत्री की आराधना के साथ देवी पूजन का शुभारंभ होगा।

पंचांग संबंधी प्रकाशित जानकारीयों के अनुसार, आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि 10 अक्टूबर की रात्रि से प्रारंभ होकर 11 अक्टूबर की रात्रि तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार 11 अक्टूबर को नवरात्रि का प्रथम दिन मनाया जाएगा। नवरात्रि का समापन 20 अक्टूबर को महानवमी के साथ होगा, जबकि 20 अक्टूबर को ही विजयादशमी और दशहरा भी मनाया जाएगा।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त नवरात्रि के प्रथम दिन घटस्थापना अथवा कलश स्थापना का विशेष महत्व है। प्रचलित पंचांगों में 11 अक्टूबर को प्रातःकाल लगभग 6:15 से 10:10 बजे तक घटस्थापना का मुहूर्त दिया गया है। इसके अतिरिक्त अभिजित मुहूर्त लगभग सुबह 11:40 बजे से

दोपहर 12:30 बजे तक बताया गया है। अलग-अलग स्थानों और पंचांगों में समय का अंतर हो सकता है। इसलिए मथुरा में पूजा करने वाले श्रद्धालु स्थानीय पंचांग और योग आचार्य से मुहूर्त की पुष्टि अवश्य करें।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, कलश स्थापना के माध्यम से पूजा स्थल पर देवी शक्ति का आह्वान किया जाता है।

पंडितजी ने आगे बताया कि नौ दिनों की विशेष साधना, मंत्र-जप, दुर्गा सप्तशती पाठ और आराधना का संकल्प लिया जाता है।

कलश स्थापना के लिए आवश्यक पूजा सामग्री घटस्थापना से पहले पूजा की सामग्री एकत्रित कर लेना उचित रहता है। इसके लिए मिट्टी का पात्र, शुद्ध मिट्टी, जौ के बीज, तंबे या पीतल का कलश, स्वच्छ जल, गंगाजल, आम के पत्ते, नारियल, लाल वस्त्र, मौली, रोली, कुमकुम, अक्षत, सुपारी, सिक्का, पुष्प, माला, धूप, दीपक, घी, फल, मिठाई और नैवेद्य आदि की व्यवस्था करें।

परिवार की परंपरा के अनुसार कुछ अतिरिक्त सामग्री की आवश्यकता भी हो सकती है। अखंड ज्योति प्रज्वलित करने वाले श्रद्धालु दीपक को सुरक्षित स्थान पर रखें और उसकी निगरानी की व्यवस्था अवश्य करें। इस प्रकार करें विधि-विधान से



कलश स्थापना

1. पूजा स्थल की शुद्धि: प्रातः स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थान की सफाई करें और चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाकर माँ दुर्गा की प्रतिमा अथवा चित्र स्थापित करें।

2. जौ बोने की परंपरा: मिट्टी के पात्र में स्वच्छ मिट्टी भरकर जौ के बीज बोएँ। हल्का जल छिड़कें और पात्र को ऐसे स्थान पर रखें जहाँ उसे पर्याप्त देखभाल मिल सके।

3. कलश तैयार करना: कलश में स्वच्छ जल तथा थोड़ा गंगाजल डालें। परंपरा के अनुसार अक्षत, सुपारी और सिक्का रखें। कलश के गले में मौली बाँधें तथा उसके मुख पर आम के पत्ते स्थापित करें। ऊपर लाल वस्त्र में लिपटा नारियल रखा जा सकता है।

4. संकल्प: हाथ में जल, पुष्प और अक्षत लेकर अपने नाम, गोत्र तथा परिवार के कल्याण का संकल्प

करें। माँ दुर्गा से परिवार में सुख-शांति, आरोग्य, सद्बुद्धि और समृद्धि की प्रार्थना करें।

5. गणेश एवं कलश पूजन: सर्वप्रथम भगवान गणेश का स्मरण करें। इसके बाद कलश का पूजन करते हुए देवी शक्ति का आह्वान करें। माँ दुर्गा को पुष्प, अक्षत, रोली, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें।

6. मंत्र-जप एवं आरती: माँ दुर्गा के नवागं मंत्र का श्रद्धापूर्वक जप करें। अपनी परंपरा के अनुसार दुर्गा सप्तशती, देवी कवच, अर्गला स्तोत्र और कीलक का पाठ किया जा सकता है। अंत में माँ की आरती करके प्रसाद वितरित करें।

माँ दुर्गा का नवागं मंत्र नवरात्रि में माँ दुर्गा की उपासना के लिए प्रचलित नवागं मंत्र है—

ह्रॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे ॥ह

श्रद्धालु अपनी सामर्थ्य और परंपरा के अनुसार इस मंत्र का 108 बार जप कर सकते हैं। नियमित मंत्र-जप के साथ संयम, सात्त्विक आहार, स्वच्छता और सदाचार को भी महत्व दिया जाता है।

नौ दिनों में होगी माँ के नौ स्वरूपों की पूजा नवरात्रि के प्रत्येक दिन माँ दुर्गा के अलग-अलग स्वरूप की पूजा का विधान है।

पहला दिन—माँ शैलपुत्री: नवरात्रि के पहले दिन माँ शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इन्हें पर्वतराज हिमालय

की पुत्री माना जाता है। इनकी उपासना में स्थिरता, शक्ति और दृढ़ संकल्प का संदेश निहित है।

दूसरा दिन—माँ ब्रह्मचारिणी: तप, संयम, साधना और धैर्य की प्रतीक माँ ब्रह्मचारिणी की आराधना की जाती है।

तीसरा दिन—माँ चंद्रघंटा: माँ का यह स्वरूप साहस, शौर्य और दुष्ट शक्तियों से रक्षा का प्रतीक माना जाता है।

चौथा दिन—माँ कूष्मांडा: सृष्टि की ऊर्जा और सृजन शक्ति से जुड़ी माँ कूष्मांडा की पूजा की जाती है।

पाँचवाँ दिन—माँ स्कंदमाता: भगवान कार्तिकेय की माता के रूप में माँ स्कंदमाता की आराधना होती है। यह स्वरूप मातृत्व और वात्सल्य का प्रतीक है।

छठा दिन—माँ कात्यायनी: माँ कात्यायनी की पूजा साहस, शक्ति और धर्म की रक्षा के भाव से की जाती है।

सातवाँ दिन—माँ कालरात्रि: माँ का यह स्वरूप भय और नकारात्मकता के नाश से जुड़ा है। भक्त उनसे निर्भयता और शक्ति की प्रार्थना करते हैं।

आठवाँ दिन—माँ महागौरी: माँ महागौरी की पूजा शुद्धता, शांति और कल्याण की कामना से की जाती है। नौवाँ दिन—माँ सिद्धिदात्री: नवरात्रि के अंतिम दिन माँ सिद्धिदात्री की आराधना की जाती है। इन्हें सिद्धि, ज्ञान और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान

रोटावेटर का खौफनाक मंजर: ट्रैक्टर से खेत जोत रहे मजदूर के शरीर के हुए 20 टुकड़े, परिवार में मचा कोहराम

सिकंदरपुर वैश्य । थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ी में शनिवार दोपहर दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा हुआ। खेत में ट्रैक्टर से सरसों की बोआई के लिए जुताई कर रहे 40 वर्षीय मजदूर अचानक रोटारवेटर की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि रोटारवेटर में फंसने से मजदूर के शरीर के लगभग 20 टुकड़े हो गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मजदूरी करने गए थे अजीत तोमर

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम बड़ोला निवासी अजीत तोमर (40) पुत्र ओमप्रकाश सिंह तोमर शनिवार सुबह अपने घर से मजदूरी करने निकले थे। वह थाना क्षेत्र सिकंदरपुर वैश्य के ही ग्राम गढ़ी निवासी बल्लेश पुत्र कृपाल के खेत पर



सरसों बोने के लिए ट्रैक्टर से जुताई का काम कर रहे थे।

दोपहर ढाई बजे हुआ खौफनाक हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे जब अजीत तोमर ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहे थे, तभी अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया या किसी तकनीकी कारण से वह चलते हुए रोटारवेटर की चपेट में आ गए। पलक झपकते ही वह रोटारवेटर की ब्लेडों के बीच फंस गए, जिससे उनका शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने जब तक माजरा समझा, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

फर्जी सीबाईआई अधिकारी बनकर वसूली करने वाला गैंग पकड़ा



○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जमुनापार पुलिस टीम ने सिहोरा लोहवन चौराहा रोड से छह फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर चौथ वसूली करने वाले छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने सूरज कुमार पुत्र राजन धारी सिंह निवासी मूल निवासी असलान पुर छपरा थाना अरवल जिला अरवल बिहार हाल पता खोडा कालोनी थाना खोडा जिला गाजियाबाद उम्र करीब 23 वर्ष, कुलदीप यादव पुत्र सुभाष चन्द्र यादव निवासी खोडा कालोनी संगम विहार थाना खोडा जिला गाजियाबाद उम्र करीब 33 वर्ष, कनरा राणा पुत्र बलराज सिंह निवासी न्णा पालम विहार थाना बजगैड़ा जिला गुरुग्राम उम्र करीब 30 वर्ष, सोनू पुत्र तारा चन्द मूल निवासी ग्राम देवेसरस थाना गोवर्धन जिला मथुरा हाल निवासी लोहवन अम्बेडकर बगीची पार्क थाना जमुनापार जिला मथुरा उम्र करीब 27 वर्ष, कुणाल पुत्र सतीश निवासी 450 जेजे कालोनी मदन पुर खादर सारिता विहार कालोनी थाना कालन्दी कुज दिल्ली उम्र करीब 27 वर्ष व रवि पुत्र सरदार सिंह निवासी ग्राम नंगला पोपी थाना रिफाईनरी

जिला मथुरा उम्र करीब 40 वर्ष को मुअर्स 397/26 धारा 319(2), 318(4), 61(2), 308(6) बीएनएस थाना जमुनापार जनपद मथुरा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना जमुनापार से आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई।

अभियुक्तगणों के विरुद्ध एक लिखित प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें आरोप है कि इन सभी अभियुक्तों ने एक सोची-समझी साजिश के तहत फर्जी सीबीआई (इडक) अधिकारी बनकर वादी को गाली-गलौज की और उसे आजीवन कारावास के झूठे केस में जेल भिजवाने की धमकी देकर डराया-धमकाया। इस भय का लाभ उठाकर अभियुक्तों ने वादी से 40 हजार रुपये की चौथ (रंगदारी) वसूलते हुए बड़ी धोखाधड़ी की, जिसके संबंध में पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

अभियुक्तगण उपरोक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विदेश कुमार, वरुन नरेन्द्र सिंह,उनि अनिल कुमार, उनि शैलेन्द्र सिंह आदि शामिल थे।

यूजीसी कानून का विरोध: गढ़ी बच्ची गांव में तीसरे दिन भी मूख हड़ताल पर मोहित तोमर, किसान संगठनों का मिला भारी समर्थन

किसान नेताओं ने दिया समर्थन
'चाहे प्राण चले जाएं, कानून वापसी तक जारी रहेगा अनशन'

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एतादपुर (आगरा)।

यूजीसी कानून के विरोध में एतादपुर के ग्राम गढ़ी बच्चों में भूख हड़ताल पर बैठे युवा मोहित तोमर के समर्थन में अब किसान संगठन भी खुलकर सामने आ गए हैं। मोहित तोमर की भूख हड़ताल 8 अक्टूबर से लगातार जारी है और आज तीसरे दिन भी वे अनशन पर डटे रहे।

मोहित तोमर के इस आंदोलन को बल देने के लिए 'संपूर्ण समस्या समाधान संगठन (किसान)' के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुनीश कुमार वैस, राष्ट्रीय महासचिव और युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र त्यागी अपने तमाम पदाधिकारियों के साथ अनशन स्थल पर

दर्दनाक हादसा: अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की आगरा मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत

सहावर। करखे से घरेलू सामान लेकर पैदल घर लौट रहे 35 वर्षीय युवक को पेट्रोल पंप के समीप पीछे से किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर हालत में जिला अस्पताल से आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर किए गए युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और दोनों मासूम बच्चों के सिर से माता-पिता दोनों का साया उठ गया है। कैसे हुआ हादसा? प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगला कुबेर निवासी रामोतार (35) पुत्र मोहन लाल शुक्रवार की शाम करीब 7:30 बजे सहावर करखे से पैदल घरेलू सामान खरीदकर अपने घर वापस लौट रहे थे। जब वे सहावर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव भिलोली पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

शहर में उमड़ा आस्था का सैलाब: बाल स्वरूप में भगवान राम और भाइयों ने खेली चट्टा, भव्य नगर भ्रमण पर निकले प्रभु

कासगंज। श्री रामलीला कमेटी के तत्वावधान में शनिवार शाम कासगंज नगर में एक अनूठा और बेहद मनोहारी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। रामलीला मंदिर, सहावर गेट से शाम भगवान श्री राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुज के बाल स्वरूपों की भव्य चट्टा खेल नगर भ्रमण यात्रा का शुभारंभ हुआ। भगवान के बाल स्वरूपों के दर्शन कर पूरा शहर भक्तिमय हो गया।

प्रमुख मार्गों से गुजरा रथ और शोभायात्रा प्रभु की यह अलौकिक यात्रा सहावर गेट स्थित रामलीला मंदिर से शुरू होकर बाराद्वारी, सोरों गेट, पल्लेदार वाली



गली, बड़ी होली, मौना मार्केट गली, बोहरान और सूत की मंडी से होती हुई पूरे शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर बाल स्वरूपों का स्वागत किया और

आरती उतारकर आशीर्वाद प्राप्त किया। गणमान्य अतिथियों और कमेटीयों की गरिमामयी उपस्थिति इस भव्य आयोजन की गरिमा बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की

कासगंज में मिलावटी देशी घी पर बड़ी कार्रवाई, 25 लाख रुपये का घी सील

कासगंज। जनपद में मिलावटी खाद्य पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अन्य जनपदों से आए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कासगंज में अलग-अलग व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान चार व्यापारियों के प्रतिष्ठानों से करीब 3819 किलोग्राम देशी घी के नमूने संग्रहित किए गए। कार्रवाई के दौरान लगभग 25 लाख रुपये मूल्य के सदिग्ध मिलावटी देशी घी को सील किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की इस कार्रवाई से देशी घी के कारोबार से जुड़े व्यापारियों में हलचल मच गई। टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर उपलब्ध देशी घी की गुणवत्ता की जांच की और नियमानुसार नमूने लेकर उन्हें परीक्षण के लिए भेजने की प्रक्रिया अपनाई। जांच के दौरान घी की गुणवत्ता और उसकी शुद्धता को लेकर आवश्यक कार्रवाई की गई। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने चार व्यापारियों जिसमें वीके साहू के प्रतिष्ठान से 2280 किग्रा देशी जिसकी कीमत 1452200 रुपये, अजय कुमार गुप्ता के प्रतिष्ठान से 319 किग्रा देशी घी जिसकी कीमत 219800 रुपये, भारत घी के प्रतिष्ठान से 682 किग्रा



देशी घी जिसकी कीमत 450120 रुपये तथा बाबूराम रमेश चन्द्र के प्रतिष्ठान से 538 किग्रा देशी जिसकी कीमत 363150 रुपये सभी के प्रतिष्ठानों से लगभग 25 लाख कीमत के देशी घी को सील सील किया गया है। विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर अंकुश लगाना है। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद घी की गुणवत्ता के संबंध में स्थिति स्पष्ट होगी। यदि जांच में मिलावट या

खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित कारोबारियों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई को मिलावटी खाद्य पदार्थों के कारोबार पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब जांच रिपोर्ट और विभागीय कार्रवाई पर निगाहें टिकी हैं।

क्या कहते है खाद्य सुरक्षा अधिकरी

कासगंज। पूरे मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा मिलावटी खाद्य सामग्री पर एक अभियान चलाया जा रहा है उसी के क्रम में कासगंज में मिलावटी देशी घी के प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्यवाही की है । अन्य जनपदों से भी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें आई है जिन्होंने अलग-अलग प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही कर 3819 किग्रा देशी घी सील किया जिसकी कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। सभी घी के अलग-अलग नमूने संग्रहित कर लिए गये है जिन्हें जांच हेतु लैब भेजा गया है। नमूने की जांच के बाद उचित कार्यवाही की जायेगी।

